SHRI EDUARDO FALEIRO: Sir, this unit is not functioning properly and it is now before the BIFR. A revival package will be submitted before the BIFR shortly within the next few months. The proposal has not yet come to the Government. We will examine the proposal. All I can say, therefore, at this stage is that we want this particular fertiliser unit and other fertiliser units in general not to be closed down but to continue, in what form this particular unit will continue, it is too premature for me to say. Let the package come from the management and then we will look into this.

*42. The questioner (Dr Sanjaya Sinh) was absent. For answer, vide col... infra

Revival of Cycle Corporation of India Limited

*43. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) has submitted a proposal to Government for the revival of Cycle Corporation of India Limited; and

(b) if so, the details thereof and Government's decision thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SMT. KRISHNA SAHI):

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्री चतुरानन मिश्र: सभापति महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह कब से पेण्डिंग है और कितने दिन तक पेण्डिंग रहेगा?

श्रीमती कृष्णा साही: यह बी०आई०एफ०आर० में पहली सुनवाई 16-12-92 को हुई।

श्री चतुरानन मिश्र: अब आप ही बताइए कि यह इतने-इतने दिन तक पेण्डिंग रहेगा तो इसमें भी क्या नौ महीने में डिलिवरी होने का टाइम है? सभापति महोदय, वैसे तो प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि अगर विदेश की चीज सस्ती हो तो यहीं ले लीजिएगा। तो क्या स्कूटर भी विदेश से मंगवा करके अच्छा लेंगे? इस नियम से तो अगर अपनी बीवी बहुत सुन्दर नहीं होगी तो क्या दूसरे की तरफ जाएंगे? ...व्यवधान...

श्रीमती कृष्णा साही: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है, वह अभी जो उनका प्रश्न है उससे तो संबधित नहीं है क्योंकि उन्होंने जो बात कही है डिलिवरी की बात, उसके लिए तो उनको जाकर के किसी डाक्टर बगैरह से विचार विमर्श करना होगा।

श्री चतुरानन मिश्र: यह तो आपकी ही डिलिवरी है, हमारी नहीं है। यह मिनिस्ट्री आपकी ही है।

श्रीमती कृष्णा साही: पहले गाइनोकोलोजिस्ट के पास जाएंगे तभी इसका उत्तर मिलेगा।

श्री चतुरानन मिश्र: कम से कम टाइम लिमिट तो कर दीजिए।

श्रीमती कृष्णा साही: सभापति महोदय, यह जो है, यह एक लीगल बोडी है और निर्णय सरकार को नहीं लेना है बल्कि बी०आई०एफ०आर० निर्णय लेता है और सरकार को अपना मन्तव्य और प्रस्ताव देता है।

श्री चतुरानन मिश्र: टाइम लिमिट कोई रहेगा?

श्रीमती कृष्णा साही: मैं बता रहा हूं। बी०आई० एफ०आर० को रिवाइवल के लिए कंपनी ने सिक यूनिट के अंडर में इसको रेफर किया है....

बी०आई०एफ० आर ने आई०डी०बी०आई० को पुनरुद्धार प्रतिवेदन तैयार करने के लिये नियुक्त किया है। उसके बाद दोनों की मीटिंग हुई, गवर्नमेंट की और आई०डी०बी० आई० की तो सरकार ने बार-बार अपना मंतव्य दिया है। पिछले सत्र में भी यह प्रश्न आया था। उसके पहले भी आया था और अभी भी आया है। भारत सरकार ने अपना मंतव्य 7-12-92 को दिया और बताया कि सी०सी०आई० एल० को पुनरुजीवित करने का कोई प्रश्न

नहीं है क्योंकि भारत सरकार के पास बजट संसाधन नहीं है। निजी क्षेत्र में साइकल निर्माण की पर्याप्त क्षमता है। अतः लोक क्षेत्र में उसको रखने का औचित्य नहीं जान पड़ता है। अगर कर्मचारियों की सहकरी समिति या कोई निजी उद्यमी इसे चलाना चाहता है तो सरकार उपयुक्त वित्तीय रीस्ट्रचरिंग करने के लिए तैयार है। खुली निविदा के माध्यम से इसे बेचने के लिये सरकार प्रिफर करेगी। कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिये उनकी संख्या कम करने हेतु वालंटरी रिटायरमेंट स्कीम के अन्तर्गत राशि देने के लिये सरकार तैयार है। ....**व्यवधान**... महोदय, मैं बताना चाहती हूं कि यह कंपनी सचमुच में काफी घाटे में चल रही है। जब हमारी औद्योगिक नीति बनी है उसके बहुत पहले से और 1975 में सबसे पहले सरकार ने मैनेजमेंट को अपने हाथ में लिया क्योंकि वह चल ही नहीं रही थी। 1975 में लेने के बाद 1980 में उसको राष्ट्रीयकृत किया गया। आपको मालूम होना चाहिये और मैं आपको बताना चाहती हूं कि उसके अंदर सहायता सरकार दे रही है। 15 करोड़ से अधिक की राशि सरकार सहायता हेतु इस कम्पनी को दे रही है, यद्यपि यह कम्पनी बहुत सालों से घाटे में चल रही है। मैं आपको यह भी बताना चाहती हूं कि सी०सी०आई०एल० में प्रत्येक दिन एक कर्मचारी एक साइकल से कम बनाता है जब कि निजी क्षेत्र में 2.58 साइकिल बनती है। अतः वहां उत्पादकता बहुत ही कम है। इसलिये इसकी अभी संभावना नहीं है। सरकार के पास कोई निधि नहीं है कि सरकार इससे ज्यादा कुछ कर सके। प्रत्येक वर्ष सरकार धन के अभाव के बावजूद अभी तक इसको मदद दे रही है और 15 करोड़ से ज्यादा सरकार मदद दे रही है।

MR. CHAIRMAN: Shri Gurudas Das Gupta (*Interruption*)... your second supplementary is over.

SHRI YASWANT SINHA: What about the supplementaries which are going outside? I have been travelling for two hours...(*Interruptions*)..

SHRI R.K. DHAWAN: That matter is over.

SHRI YASWANT SINHA: For two hours I have been travelling.

MR. CHAIRMAN: In the meantime we raised a whole question.

SHRI YASHWANT SINHA: No; but one point which is not clear is why somebody didn't tell us in writing which route we had to take. Somebody should have told us, "This is the direction to Members of Parliament."

SHRI R.K. DHAWAN: The Minister has apologised. The matter is over now.

SHRI YASHWANT SINHA: This apology will not do...*(interruptions)*... Police officers should have been told ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: We have discussed it.

SHRI YASHWANT SINHA: They could have at least been told to be polite...*(interruptions)*... They could have at least been told to be polite to the Members of Parliament.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: 'Polite' is not shown in the police dictionary.

SHRI YASHWANT SINHA: I mean this is absolute law of the jungle which is prevailing in Delhi today, absolute law of the jungle. There is no hearing, there is no appeal, there is nothing. Most shocking. And the whole Government is sitting here as you have got your protection, you have got your S.P.G. What do we have? The person travelling singly is humiliated all the way.... *(Interruption)*...No, no; I don't take protection, I don't take police. I have noting with me. I am a citizen of this country and as a citizen of this country I am feeling humiliated, insulted, absolutely downgraded, disgraded. I feel disgraded as a human being today in this House... *(Interruptions)*...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I also join him.... *(Interruption)*... Sir, it is a sad day for us. I live in V.P. House. I have been obstructed at three points. I have been obstructed at three points. Ultimately it is an extremely sad day for us. Anyway, Sir, my question to the hon. Minister is this. I know the condition of the Cycle Corporation. I know that it is going down, it is declining and the per capita marginal production is also very low. I know every thing. As part of a Parliamentary Committee I have visited

this place. My point, Sir, is Government had taken over this pretty long time back but there has been no investment. Now there is no return.

Sir, I would like to ask the Minister to let us know whether they are in a position to sit down with the present management, the workers and the trade unions and find a solution. Today, the workers are ready to co-operate to revive the unit. It is not a question of how much money they are ready to spend. I know the Government's constraints. But things have been brought to this pass because the Government did not have any revival plan for many years. They have been throwing the money into the waters. Therefore, the time has come and I would like to know whether the Government can assure us that they will sit down with the trade unions and also with the management to see how the revival of the unit can be brought about. I am asking this knowing full well the difficulties that the Government is confronted with.

श्रीमती कृष्णा साही: सभापति महोदय, पहले तो मैं यह निवेदन करना चाहती हूं कि माननीय सदस्य श्री चतुरानन मिश्र जी ने बी०आई०एफ०आर० के बारे में जो प्रश्न पूछा था, उसकी डेट में मैं संशोधन करना चाहती हूं कि फस्ट हियरिंग बी०आई०एफ०आर० का 9-9-92 को हुआ और दूसरा हियरिंग 29-12-92 को हुआ था। सभापति महोदय, अभी माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है वह तो उन्होंने बहुत लंबा-चौड़ा भाषण दिया है, लेकिन उन्होंने इस बात को नहीं बताया कि .....**(व्यवधान)**....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, what is this? ...*(Interruptions)*... Sir, what is this, *"lamba, chowda"? (Interruptions)*... What is this? This is part of her reply? Is this a part of her reply? ....*(Interruptions)*...

श्रीमती कृष्णा साही: प्रश्न आपका क्या था सारी बात कहने के बाद, मैं तो एक ही बात समझ सकी कि ....**(व्यवधान)**....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, the Prime Minister is here ...*(Interruptions)*... is this the way that a Minister should answer? Is this the way? ...*(Interruptions)*...

SHRI SUKOMAL SEN: Sir, what is this? ...*(Interruptions)*... Is this the way to answer? ...*(Interruptions)*...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, She must take back her words ...*(Interruptions)*... The Minister must take back her words ...*(Interruptions)*... This is not the way a Minister should reply ...*(Interruptions)*...

श्रीमती कृष्णा साही: सभापति महोदय, सवाल इनका खो गया भाषण में। सवाल इनका भाषण के अंदर खो गया था।

MR. CHAIRMAN: Please answer him Mrs. Shahi.

श्रीमती कृष्णा साही: सभापति महोदय, मैं क्षमा चाहती हूं, अगर उनको कुछ ऐसा लगा तो। मैं आपके सवाल का जवाव दे रही हूं। अगर ऐसी बात है तो मैं अपना कहा वापिस ले रही हूं। मैं वापिस लेती हूं।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: You are sitting as a Minister only now. You could not sit in the Cabinet last time ...*(Interruptions)*...

SHRI KAMAL MORARKA: Please excuse me, Sir ...*(Interruptions)*... Sir, please excuse me ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: It is all right now. She has withdrawn it ...*(Interruptions)*...

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, I understand ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: She has withdrawn it ...*(Interruptions)*...

RE:PREVENTING OF THREE MPs FROM ATTENDING PARLIAMENT BY THE POLICE

SHRI YASHWANT SINGH (Bihar): No. I am not on that. I understand that three Members of this House have been taken away by the police, Mr. Malaviya, Mr. Ahluwalia and Mr. Upendra ...*(Interruptions)*...

Please instruct them to call them here ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHRY (Andhra Pradesh): Have the Members any right?...*(Interruptions)*...

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, while coming to the Parliament House, they have been arrested and taken into custody by the police ...(*Interruptions*)...

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Sir, please ask the Government to produce them here ...(*Interruptions*)...if they are not arrested, where are they? ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: I will have to ask the Government to tell me what the fact is about that ...(*Interruptions*)...I will have to ask the Government if the Members have been arrested and put in jail ...(*Interruptions*)... I will have to find out the facts ...(*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, they had been invited to the Rashtrapati Bhavan for breakfast. On their way they have been taken into police custody ...(*Interruptions*)...

SHRI MOHINDER SINGH LATHER (Haryana): Sir, it is very serious ...(*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Where is Mr. Malaviya? ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Sir, they have not been arrested.....(*Interruptions*)...They have not been arrested. We came to attend Parliament. We were not being allowed to cross the Vijay Chowk to come to the Parliament House ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Why? ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: They have not been arrested ...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, it is a very serious matter... ...(*Interruptions*)...

SHRI YASHWANT SINHA: Sir, they were invited by the Rashtrapatiji for breakfast and they were coming by the Vijay Chowk and they have been taken into custody by the police because they were not allowed to cross the Vijay Chowk ...(*Interruptions*)...The three of them must be proudced and the House cannot go on until these honourable Members are produced ...(*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSE (West Bengal): Sir, it is a breach of privilege of the Members....(*Interruptions*)...

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार): सभापति महोदय, सबसे दुख की बात यह है कि इतना सच होने के बाद भी प्राइम मिनिस्टर की ओर से एक शब्द नहीं कहा गया। मैं बहुत दुख के साथ यह कहना चाहता हूं कि सदस्यों का हुमिलिएशन हुआ। सदन का हुमिलिएशन हुआ और प्राइम मिनिस्टर चुपचाप बैठे रहे। एक भी शब्द उनकी ओर से नहीं आया है। इससे पता चलता है कि सरकार की गंभीरता क्या है और सरकार की मंशा क्या है?

SHRI DIPEN GHOSH: Sir, the rulling party Member has said that they were obstructed ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Just a minute. The Home Minister is on his legs. Please listen to him ...(*Interruptions*)...Please hear the Home Minister...(*Interruptions*) ...Please here the Home Minister...(*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH: Sir, kindly appreciate ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down ...(*Interruptions*)...Please here the Home Minister...(*Interruptions*)...

SHRI BALBIR SINGH: (Punjab): Mr. Chairman, Sir, it happened with me also. It took two hours from Lodhi Estate to come here. Nobody cares for the Identity Cards. Nobody cares for the MPs. If the MPs are not allowed to enter the House, what will happen to others?

SHRI AJIT P.K. JOGI: (Madhya Pradesh) This has happened to most of us. (*Interruptions*)

SHRI YASHWANT SINHA: It is not merely to tell the Home Minister. They should have been ready with a contingency plan for the Members of Parliament. Why didn't they make a special arrangement for the Members of Parliament?

(Interruptions) I was required to show my pass at ten places. But why couldn't I be allowed to come here straight? If I have to show my pass, I should have been allowed to come here straight instead of being diverted all over the city.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: That is because the police are not local people. वह बता रहे है कि हम यहां के लोग नहीं है, हमें कुछ पता नहीं है। *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Please. You have expressed it. I understand it. The whole House understands it. The Government has heard it. Let the Minister reply. *(Interruptions)* Let the Minister reply. Are you asking the question for an answer? Then let him reply. *(Interruptions)* Please sit down and allow the Minister to say something.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Where is the Home Minister? We want the Home Minister to speak out.

MR. CHAIRMAN: The Minister of State is here.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Mr. Chavan is arrested or what? Where is the Home Minister?

MR. CHAIRMAN: Listen to the Minister who is in the House. *(Interruptions)*

SHIR DIPEN GHOSH: Mr. Chairman, Sir, the Prime Minister is present here and he has been hearing all these things, even from the Members belogning to his Party that they have been prevented from attending the Parliament session. And now let the Prime Minister react. When Mr. Rajesh Pilot is overacting, let the Prime Minister react here on the floor of the House. He is the Leader of the country. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: It is the Home Ministry who want to know the facts. Let the Minister of State reply.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P.M. SAYEED) Sir, I am sorry to hear from the Members that they have....*(Interruptions)* But, Sir we heard about it—I was in the other House-that they were finding it difficult to get into the Parliament House. Actually, Sir, a foolproof system was evolved. The members were to come through the Parliament Street gate....*(Interruptions)*.

SHRI AJIT P.K. JOGI: You evolve a system and we do not know about it. What is the use of such a system? Why did you not anticipate? *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Let the Minister finish.

(Interruptions)

SHRI P. SHIV SHANKER (Gujarat): Mr. Chairman, Sir, nobody, at least I would not like to blame the hon. Minister. The Minister is saying that a foolproof arrangement has been made. This is a most unfortunate statement. We were invited by the President for a breakfast this morning. We had to be there at 8.15. I left my house at 8'0 clock—I live in the President's Estate.

I went there by quarter to nine, because at nine places I was stopped even from the President's Estate. What is the purpose of saying that a fool-proof arrangement was made? Shall I tell you another thing? The President was arranging phoning up every Member and was asking his staff to send the cars from the President's Estate so that Members could be brought. So, please don't say that fool-proof arrangement was made. I am not blaming the Minister, but how the officials at the lower level are creating a problem is the fact which has to be accepted and something has to be done for that.

SHRI P.M. SAYEED: I am sorry for what happend.

MR. CHAIRMAN: Now, as a formality, I say that the Question Hour is over, if there was a Question Hour.